अध्याय 25

पंचलाइन (PUNCHLINE)

पंचलाइन किसी कथन अथवा बातचीत के अंत में अचानक आने वाले किसी ऐसे मोड़ को कहा जाता है जिससे स्थिति अत्यंत निराली बन जाती है। सुस्पष्ट रूप से पंचलाइन किसी कथन अथवा बातचीत का समापन अंश होता है जो पूरी बातचीत को हास्यास्पद बना देता है। इस प्रकार पंचलाइन अचानक प्रकट होता है और वो भी अप्रत्याशित तरीके से। हम केवल किसी अकेले शब्द के अर्थ को तोड़-मरोड़कर भी पंचलाइन बना सकते हैं। उदाहरणार्थ,

एक कर्मचारी अपने साथी से कहता है, 'मैं अपने बॉस से पावर की लड़ाई में उलझा हुआ हूँ।' साथी उत्तर देता है :

पंचलाइन : 'अब तुम्हें पावर फेल हो जाने के मामले में बॉस को मोमबत्ती देनी पड़ेगी।'

व्याख्या : पंचलाइन कथन में 'पावर की लड़ाई' का अर्थ तोड़-मरोड़ दिया गया है और इस प्रकार, यह एक उपयुक्त पंचलाइन बन गई है।

किसी कथन को तब पंचलाइन समझा जाए जब :

(i) यह चर्चा अथवा बातचीत का समापन अंश हो, जिसके बाद बातचीत को उसी दिशा में जारी रखना संभव नहीं हो

(ii) इसे मजेदार अथवा हास्यास्पद होनी चाहिए। हास्यास्पद पक्ष किसी बात के मजेदार अर्थ से जुड़ा होता है या स्थिति ही बात को हास्यास्पद बना देती है।

(iii) यह पूरी बातचीत में अचानक मोड़ को विशिष्टता प्रदान करती हो और वह भी अप्रत्याशित तरीके से।

पंचलाइन के अन्य प्रकारों पर चर्चा करने से पहले प्रश्नों की रूपरेखा समझना आवश्यक है।

प्रश्नों की रूपरेखा

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में किसी घटना का विवरण दिया गया है लेकिन पंचलाइन लुप्त है जिसको बिंदुओं द्वारा रेखांकित किया गया है। घटना के बाद दो कथन दिए गए हैं जिन्हें I और II क्रमांक दिया गया है। घटना पर ध्यान देते हुए आपको यह ज्ञात करना है कि दोनों कथनों में से कौन-सा कथन पंचलाइन का स्थान लेने के लिए उपयुक्त है।

उत्तर दीजिए :

(1) यदि आप समझते हैं कि केवल कथन I उपयुक्त है।

(2) यदि आप समझते हैं कि केवल कथन II उपयुक्त है।

(3) यदि आप समझते हैं कि I और II दोनों उपयुक्त हैं लेकिन दोनों कथनों में विचार अथवा कहने का भाव अलग-अलग और विरोधाभासी है।

(4) यदि आप समझते हैं कि I और II दोनों उपयुक्त हैं तथा दोनों कथनों में कहने का तरीका भी कमोबेश एक-सा है।

(5) यदि आप समझते हैं कि दोनों कथनों में से कोई भी उपयुक्त नहीं है।

पंचलाइन पर आधारित प्रश्नों की रूपरेखा से सुस्पष्ट अभिव्यक्ति होती है कि आपको एक साथ दो प्रश्नों के लिए उत्तर करना है। ये प्रश्न हैं :

(1) क्या उल्लिखित कथन पंचलाइन के रूप में खरा उतरता है?

(2) यदि पहले प्रश्न का उत्तर 'हाँ' है तो इसके पीछे विचार क्या है? क्या इसमें दूसरे कथन से अलग या सदृश विचार हैं?

पहले, हमने कहा था कि कोई कथन पंचलाइन के रूप में तब उपयुक्त होगा जब यह :

(i) किसी बातचीत या चर्चा का समापना अंश होगा

(ii) मजेदार और

(iii) आमतौर पर अपेक्षित नहीं।

दूसरे शब्दों में, यह कथन में अचानक मोड़ ला देता है और वह भी अप्रत्याशित तरीके से।

इस प्रकार, पंचलाइन के रूप में किसी कथन की प्रामाणिकता का मूल्यांकन करने के लिए हमें उल्लिखित कथन में तीन तत्वों की जाँच करनी पड़ती है।

यह मूल्यांकन करना काफी सरल है कि क्या उल्लिखित कथन बातचीत का समापन अंश है या नहीं। उल्लिखित कथन तब समापन अंश होगा, जब हम इस कथन के बाद चर्चा अथवा बातचीत को उसी दिशा में जारी नहीं रख सकते।

बातचीत : एक सज्जन ने बिना छत के घर का निर्माण किया है। जब उसके दोस्त ने पूछा कि उसने यह काम क्यों पूरा नहीं किया तो उसने तुरंत उत्तर दिया ....

पंचलाइन : क्या तुम जानते नहीं हो कि सरकार ने सभी संपत्ति पर सीलिंग (ऊपरी सीमा) लगाने का निर्णय लिया है।

व्याख्या : यह स्पष्ट है कि यहाँ 'सीलिंग' शब्द का अर्थ तोड़-मरोड़ दिया गया है और इसलिए बातचीत को उसी दिशा में जारी रखना संभव नहीं है। अतः, यह बातचीत का समापन अंश है।

अब, हमें किसी पंचलाइन की दूसरी विशेषता पर विचार करना है अर्थात् उल्लिखित कथन हास्यास्पद होना चाहिए। कोई कथन तब हास्यजनक होता है जब यह चुटकले जैसे प्रतीत होता है; यह किसी व्यक्ति को हँसा देता है या कम से कम मुस्कराहट तो अवश्य ला देता है। इसमें हास्य का पुट होना चाहिए। इसके कारण व्यक्ति को हँसी आ जानी चाहिए। दूसरे शब्दों में, कोई कथन तब हास्यास्पद होता है जब यह किसी व्यक्ति को हँसा देता है या उसके चेहरे पर मुस्कराहट ला देता है।

किसी कथन को क्या हास्यास्पद बनाता है?

इस प्रश्न का स्टीरियो-टाइप उत्तर देना अत्यंत कठिन है। कोई कथन किसी परिस्थिति में हास्यास्पद प्रतीत हो सकता है लेकिन दूसरे परिप्रेक्ष्य में यह किसी गंभीर तर्क का रूप धारण कर सकता है। इसलिए, चर्चा की सामग्री और दिशा किसी कथन को हास्यजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। लेकिन, हम कुछ सरल विशेषताओं को सूचीबद्ध कर सकते हैं जो आमतौर पर किसी कथन को हास्यजनक बनाती हैं।

A. आमतौर पर कोई घटना तब हास्यास्पद बन जाती है जब प्रश्न को अलग तरीके से समझने के बाद उत्तर दिया जाता है।

उदाहरण 1. प्रबंधन ने नए कर्मचारी से कहा कि आपको सौंपा गया पहला कार्य आपके लिए लिटमस टेस्ट साबित होगा। कर्मचारी ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया ....

पंचलाइन : 'सर, मैं जानता हूँ कि अम्ल युक्त घोल में नीला लिटमस पत्र डालने से वह लाल हो जाता है।'

व्याख्या : इस उदाहरण में उल्लिखित पंचलाइन इसलिए हास्यास्पद है क्योंकि उत्तर उपयुक्त नहीं था। यहाँ, 'लिटमस टेस्ट' का अर्थ तोड़-मरोड़ दिया गया है या अलग तरीके से समझा गया है। प्रश्न के कथन में 'लिटमस टेस्ट' का अर्थ किसी व्यक्ति की कार्यकुशलता अथवा क्षमता की जाँच करना था लेकिन उत्तर में इसे एक रासायनिक परीक्षण के रूप में लिया गया है जो परीक्षण यह जानने के लिए किया जाता है कि कोई घोल अम्लीय या क्षारीय है। यह इस कथन को अत्यधिक हास्यास्पद बना देता है।

उदाहरण 2. भारतीय क्रिकेट टीम को स्पिन गेंदबाज अनिल कुम्बले की गैर मौजूदगी के कारण श्रीलंका के विरुद्ध मैच 'लूज' करना पड़ा।

पंचलाइन : 'हाँ, क्योंकि केवल वही गेंदबाज 'टाइट' गेंदबाजी कर सकता है।'

व्याख्या : उल्लिखित पंचलाइन इसलिए हास्यास्पद है क्योंकि इसका अर्थ है कि अनिल कुम्बले ही ऐसा गेंदबाज है जो किफायत से गेंदबाजी कर सकता है अर्थात् वह अपनी गेंदबाजी में कम रन देगा। प्रश्न के कथन में 'लूज' शब्द का अर्थ 'हारना' है, न कि 'ढीला'। इसलिए, प्रश्न की गलत व्याख्या के कारण उल्लिखित पंचलाइन हास्यास्पद बन जाती है।

B. समरूप लगने वाले लेकिन अलग अर्थों वाले शब्दों के उपयोग से कोई घटना हास्यास्पद बन जाती है।

उदाहरण 1. मध्य काल को 'काला युग' कहा जाता है।

पंचलाइन : 'क्योंकि यह नाइट (Knight) का समय था।'

व्याख्या : यहाँ 'नाइट' (Knight) शब्द का इस्तेमाल 'रात' (Night) के भाव में किया गया है।

उदाहरण 2. बेटे ने पिता से पूछा, 'माल गाड़ी को इस नाम से क्यों जाना जाता है?'

पिता, 'क्योंकि वे माल की ढुलाई करती हैं।'

बेटे ने दोबारा पूछा, 'यात्री गाड़ी को इस नाम से क्यों जाना जाता है?'

पिता ने कहा, 'क्योंकि वे यात्रियों की ढुलाई करती है?'

बेटा, ...

पंचलाइन : लेकिन 'मेल' ट्रेन किसी मेल (Male) को नहीं ले जाती?'

व्याख्या : यहाँ 'मेल' शब्द का उपयोग 'पुरुष' के आशय से किया गया है और इससे उत्तर हास्यास्पद बन जाता है।

C. कभी-कभार कोई व्यक्ति जिस तरीके से उत्तर देता है, उससे भी घटना हास्यास्पद बन जाती है।

उदाहरण. एक पिता ने अपने बेटे से कहा, 'यदि 9 को 8 से गुणा किया जाता है तो परिणाम क्या होगा?'

बेटे ने उत्तर दिया, 'चौहत्तर।'

पिता ने बेटे को पीठ पर थपकी दी और एक चॉकलेट निकाली और बेटे को दे दी। यह देखकर उसके पड़ोसी ने कहा, '9 को 8 से गुणा करने पर बहत्तर हासिल होता है, चौहत्तर नहीं।' तो पिता ने उत्तर दिया....

I. 'वह मेरा बेटा है और मैं उसे चॉकलेट दे रहा हूँ।'

II. 'वह सुधर रहा है। कल उसने कहा था कि वह अट्ठासी होता है।

[बैंक पीओ परीक्षा, 2000]

व्याख्या : कथन I प्रत्याशित उत्तर है। अधिकांश लोग ऐसा ही कहेंगे। यह एक नीरस वाक्य है और इसमें कोई हास्य नहीं है। दूसरे कथन की सामग्री और इसे कहने का तरीका उसे हास्यास्पद बना देता है। इसमें पिता ने तर्क दिया कि उसका बेटा सुधार कर रहा है क्योंकि वह धीरे-धीरे सही परिणाम तक पहुँच रहा है और इसलिए, उसे प्रोत्साहन देना चाहिए।

D. जिस कथन में अत्यंत अचंभा (Surprise) मौजूद हो, वह भी हास्यास्पद प्रतीत होता है।

उदाहरण 1. किसी यातायात सिपाही ने एक दोपहिया वाहन पर तेजी से जा रहे दो पादरियों को रोका।

'क्या आप अत्यधिक तेजी से नहीं जा रहे? आपका जुर्माना किया जाना चाहिए।'

'डरो मत, भगवान हमारे साथ है।' एक पादरी ने उत्तर दिया।

चिड़चिड़ाकर पुलिसवाले ने कहा....

पंचलाइन : 'ऐसी बात है तो मुझे तीन सवारियों के लिए तुम्हारा जुर्माना करना पड़ेगा।'

व्याख्या : उत्तर अपेक्षाकृत अप्रत्याशित है। जब हम भगवान को याद करते हैं या उसका नाम लेते हैं तो हम उसके सशरीर मौजूदगी की आशा नहीं करते हैं। यहाँ पुलिसवाला मासूमियत से भगवान को तीसरे व्यक्ति के रूप में गिन लेता है जो दोपहिया वाहन पर सवारी कर रहा है।

उदाहरण 2. किसी प्लेटफार्म पर कोई यात्री अधीरता से गाड़ी के प्रस्थान की प्रतीक्षा कर रहा था। उसने किसी दूसरे यात्री से पूछा, 'यह गाड़ी प्लेटफार्म कब छोड़ेगी?'

उस यात्री ने उत्तर दिया, ...

I. 'निर्धारित समय पर।'

II. 'साफ बात है कि जब गार्ड सीटी बजाएगा।'

व्याख्या : यहाँ उत्तर I इस प्रश्न के लिए एक अप्रत्याशित प्रतिक्रिया है। आमतौर पर गाड़ी अपने निर्धारित समय पर ही प्लेटफार्म छोड़ती है लेकिन यहाँ यात्री गाड़ी के प्रस्थान का ठीक-ठाक समय जानना चाहता था। इसलिए, उत्तर I हास्यास्पद है। इसी कारण दूसरा उत्तर भी हास्यास्पद है।

पूर्ववर्ती चर्चा से यह स्पष्ट हो जाता है कि यदि किसी घटना से आपके चेहरे पर मुस्कराहट आती है तो यह हास्यास्पद है। यदि कोई घटना हास्य से सराबोर है तो यह हास्यास्पद है। उपर्युक्त उदाहरणों में हमने किसी घटना को हास्यास्पद बनाने वाले कारणों का विश्लेषण किया है। इनमें वे सभी संभव तरीके शामिल नहीं हैं जो किसी घटना को हास्यास्पद बना सकते हैं। ये केवल उन परिस्थितियों को समझाने के लिए दिए गए हैं कि किस प्रकार कोई कथन हास्यास्पद बनता है। इसके आधार पर, हम आसानी से पहचान सकते हैं कि कोई कथन हास्यास्पद है या नहीं।

(i) यदि वहाँ अचानक कोई मोड़ हो तो यह आपका ध्यान सामान्य तरीके से आकर्षित करेगा।

(ii) यदि वहाँ अचंभे का कोई तत्व है तो हर कोई स्वतः ही हैरान हो जाएगा।

उपरोक्त विवेचना के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि "किसी वक्तव्य का पक्ष जोकि एक विशेष हास्यास्पद स्थिति उत्पन्न कर देता हो या अनायास ही वक्तव्य में एक नया मोड़ प्रदान कर देता हो, उसे 'पंचलाइन' कहते हैं।

किसी भी घटना (वक्तव्य) के बाद दिया गया कथन 'पंचलाइन' है या नहीं- इसकी जाँच साधारणतया निम्नलिखित तालिका के आधार पर की जा सकती है :

उपयुक्त पंचलाइन	अनुपयुक्त पंचलाइन
● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन ऐसा हो कि वातावरण हास्यास्पद हो सके।	● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन नीरस हो।
● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन लच्छेदार या घुमावदार शैली का तथा विविध अर्थों वाला हो।	● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन सामान्य शैली का एवं सरल अर्थ वाला हो।
● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन घटना (वक्तव्य) के वास्तविक अर्थ से अलग समझते हुए दिया गया हो।	● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन घटना (वक्तव्य) के बिल्कुल वास्तविक अर्थ को समझते हुए यथार्थपूरक दृष्टिकोण से दिया गया हो।
● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन में घटना के अप्रत्यक्ष भाव को असामान्य तरीके से प्रस्तुत किया गया हो।	● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन में घटना के अप्रत्यक्ष भाव को सामान्य तरीके से प्रस्तुत किया गया हो।
● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन ऐसा हो जो कि एक ऐसी आश्चर्यजनक स्थिति उत्पन्न कर दे जोकि हमारे सामान्य कल्पना से बिल्कुल परे हो।	● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन ऐसा हो जो कि हमारी सामान्य कल्पना में संभावित हो।
● लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन में घटना के यथार्थ को मूर्खतापूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया हो।	○ लुप्त पक्ष के लिए प्रयुक्त कथन में घटना के यथार्थ को सामान्य शैली में प्रस्तुत किया गया हो।

अध्याय-25 : पंचलाइन (PUNCHLINE)

अब निम्नलिखित उदाहरणों पर विचार करें :

उदाहरण 1. एक वरिष्ठ प्रबंधक ने अपने कर्मचारियों से कहा, 'पिछले दो सालों से हमारा कारोबार मंदा रहा है और इसलिए हमें अपनी 'बेल्ट' कस लेनी चाहिए।'

एक युवा कर्मचारी चिल्लाया.....

पंचलाइन : उनका क्या जिनके पास बेल्ट नहीं है।

व्याख्या : यह उत्तर वास्तव में हास्यास्पद है। इसमें 'बेल्ट कसने' यानी कमर कसने का गलत अर्थ लिया गया है तथा अप्रत्याशित उत्तर हासिल हुआ है। यह हैरान भी करता है।

उदाहरण 2. विदाई समारोह में प्रधानाचार्य ने कहा, 'प्रिय छात्रो, अब तुम्हें अपने पैरों पर खड़ा होना होगा'।

एक छात्र ने जल्दी से उत्तर दिया .....

पंचलाइन : मैं तो इस समय भी अपने पैरों पर खड़ा हूँ।

व्याख्या : उल्लिखित उत्तर हास्यास्पद है। यहाँ भी प्रश्न का गलत अर्थ लगाने के बाद उत्तर दिया गया है।

प्रश्नों की रूपरेखा से यह स्पष्ट है कि जब दोनों सुझाए गए कथन (उत्तर) पंचलाइन के रूप में उपयुक्त हैं तो हमें निम्न प्रश्नों के उत्तर ज्ञात करने हैं :

क्या इन दोनों का एक ही विचार/कहने का भाव है या विरोधाभासी विचार/कहने का अलग-अलग भाव है।

आप यह काम कथन के स्वरूप जो इसे हास्यास्पद बनाता है, को पहचानकर आसानी से कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, किसी कथन को हास्यास्पद बनाने वाला आधारभूत तत्व उल्लिखित कथन को कहने के भाव का मूल्यांकन करने की कुंजी है।

उपर्युक्त चर्चा से यह स्पष्ट हो जाता है कि पंचलाइन के प्रश्न दो चरणों में पूरी तरह हल किए जा सकते हैं :

प्रथम चरण : पहले चरण में निम्न प्रश्नों का उत्तर ज्ञात करते हैं:

(i) उल्लिखित कथन हास्यास्पद है या नहीं?

(ii) क्या इसमें किसी अप्रत्याशित वस्तु की ओर कोई अचानक मोड़ शामिल है?

(iii) क्या यह समापन अंश है?

दूसरा चरण : यदि दोनों कथन पंचलाइन के रूप में उपयुक्त हैं तो आपको यह ज्ञात करना है कि क्या दोनों में एक ही विचार/कहने का भाव या विरोधाभासी विचार/कहने का अलग-अलग भाव मौजूद है।

आप इस प्रश्न का उत्तर उस तर्कसंगति को पहचान कर ज्ञात कर सकते हैं जो सुझाए गए कथन को हास्यास्पद बनाता है।

अब निम्न उदाहरणों को समझने का प्रयास करें :

उदाहरण 1. किसी गाड़ी में बैठा हुआ एक आदमी अपने सिर को घंटे की तरह एक ओर से दूसरी ओर हिला रहा था। कुछ समय बाद, उसके साथ बैठे हुए दूसरे आदमी ने पूछा कि वह ऐसा क्यों कर रहा है?

उस आदमी ने उत्तर दिया, 'ताकि मैं समय बता सकूँ।'

'तो, अब क्या समय है?'

उस आदमी ने अभी अपना सिर हिलाते हुए कहा, 'साढ़े आठ।'

'तुम गलत हो, अभी आठ बजे हैं।'

उस आदमी ने उत्तर दिया, ...

I. 'ओह! तो, मैं धीरे चल रहा हूँ।'

II. 'ओह! इसका मतलब है कि मैं अपना सिर तेजी से हिला रहा हूँ।'

[बैंक पीओ परीक्षा, 2008]

व्याख्या : प्रथम चरण

प्रश्न	कथन I	कथन II
क्या यह हास्यास्पद है?	हाँ	हाँ
क्या इसमें किसी अप्रत्याशित वस्तु की ओर मोड़ शामिल है?	हाँ	हाँ
क्या यह समापन अंश है?	हाँ	हाँ

द्वितीय चरण

प्रश्न	कथन I	कथन II
इसे क्या हास्यास्पद बनाता है?	उत्तर देने का तरीका	उत्तर देने का तरीका

दोनों ही कथन यह विचार सूचित करते हैं कि वह तेज है।

उदाहरण 2. स्कूल से वापिस आने के बाद एक बच्चे ने घोषणा की, 'पिताजी, मुझे स्कूल में खेले जाने वाले एक नाटक में भूमिका दी गई है।'

पिता ने गर्व से कहा, 'ओह! बहुत अच्छे।'

'तुम्हें क्या भूमिका मिली है?'

'मुझे पिता की भूमिका करनी है।'

पिता ने एक पल सोचा और फिर कहा, ...

I. 'कल जाओ और उनसे कहो कि तुम ऐसी भूमिका चाहते हो जिसमें तुम्हें कुछ बोलने का अवसर भी हो।'

II. 'ओह! यह क्या चल रहा है? वे तुमसे मेरी भूमिका करने के लिए कैसे कह सकते हैं?'

व्याख्या : प्रथम चरण

प्रश्न	कथन I	कथन II
क्या यह हास्यास्पद है?	हाँ	हाँ
क्या इसमें किसी अप्रत्याशित वस्तु की ओर मोड़ शामिल है?	हाँ	हाँ
क्या यह समापन अंश है?	हाँ	हाँ

द्वितीय चरण

प्रश्न	कथन I	कथन II
इसे क्या हास्यजनक बनाता है?	उत्तर देने का तरीका	उत्तर देने का तरीका

इस प्रकार, दोनों ही कथन पंचलाइन के रूप में उपयुक्त हैं लेकिन अलग-अलग विचार सूचित करते हैं।

उदाहरण 3. 'मेरा मानना है कि तुम्हारी अपनी पत्नी से बहस हुई थी।'

'हाँ।'

'इसका समापन कैसे हुआ?'

आखिरकार उसने अपने घुटने टेक दिए' और कहा .....

I. 'अगर तुम मर्द हो तो चारपाई के नीचे से बाहर आओ और एक मर्द की तरह मुकाबला करो।'

II. 'चलो हम असहमत होने के लिए सहमत हो जाते हैं कि हम दोबारा लड़ाई नहीं करेंगे।'

व्याख्या : प्रथम चरण

प्रश्न	कथन I	कथन II
क्या यह हास्यास्पद है?	हाँ	हाँ
क्या इसमें किसी अप्रत्याशित वस्तु की ओर मोड़ शामिल है?	हाँ	हाँ
क्या यह समापन अंश है?	हाँ	हाँ

द्वितीय चरण

प्रश्न	कथन I	कथन II
इसे क्या हास्यास्पद बनाता है?	उत्तर देने का तरीका	उत्तर देने का तरीका

पंचलाइन के रूप में दोनों कथन उपयुक्त हैं लेकिन उनमें विरोधाभासी विचार शामिल हैं।

उदाहरण 4. राधा ने मधु से कहा, 'दिनेश चादर से पैर बाहर पसार कर बर्बाद हो गया।'

मधु ने पूछा, ...

I. 'क्या चादर फट गई थी?

II. 'क्या चादर बहुत महँगी थी?'

व्याख्या : दोनों कथन हास्यास्पद प्रतीत होते हैं। यहाँ उत्तर इस मुहावरे 'चादर से बाहर पैर पसारना' का सरल अर्थ लेते हुए दिया गया है।

इस मुहावरे का अर्थ है कि अपनी क्षमता से अधिक समय, ऊर्जा और पैसा खर्च करना। इस प्रकार, प्रश्न की गलत व्याख्या सुझाई गई पंचलाइनों में हास्य का पुट ला देती है। दोनों कथनों में कमोबेश एक से विचार हैं।

विश्लेषणात्मक तरीका

प्रश्न	कथन I	कथन II
क्या यह हास्यास्पद है?	हाँ	हाँ
क्या इसमें किसी अप्रत्याशित वस्तु की ओर मोड़ शामिल है?	हाँ	हाँ
क्या यह समापन अंश है?	हाँ	हाँ

द्वितीय चरण

प्रश्न	कथन I	कथन II
इसे क्या हास्यास्पद बनाता है?	प्रश्न की गलत व्याख्या	प्रश्न की गलत व्याख्या

इस प्रकार, पंचलाइन के रूप में सुझाए गए दोनों कथन उपयुक्त हैं और उनमें कमोबेश एक से विचार शामिल हैं।

उदाहरण 5. शिक्षक ने अपने छात्रों से कहा, 'प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस क्यों मनाया जाता है?'

एक छात्र ने उत्तर दिया, ...

I. 'पंडित नेहरू का जन्मदिन मनाने के लिए।'

II. 'क्योंकि यह वैलेंटाइन दिवस के ठीक नौ महीने बाद आता है।'

व्याख्या : यह इस बात का अच्छा उदाहरण है कि किस प्रकार एक ही घटना एक मामले में हास्यास्पद और दूसरे में साधारण बन जाती है। यहाँ उत्तर I प्रत्याशित उत्तर है। हर कोई जानता है कि जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन 14 नवंबर है और बच्चों के प्रति नेहरू जी के प्रेम के सम्मान में प्रत्येक वर्ष इसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह भी सुविदित है कि मानव का सामान्य गर्भ काल नौ महीने है। वैलेंटाइन दिवस को गर्भ धारण करने वाली कोई माँ नौ महीने पश्चात् एक बच्चे को जन्म देगी। वैलेंटाइन दिवस पति-पत्नी के बीच या किसी प्रिय के प्रति स्नेह दर्शाने का विशेष दिन है और इसे हरे वर्ष फरवरी में मनाया जाता है। लेकिन, दूसरा उत्तर किसी हद तक अप्रत्याशित है और इसलिए हास्यास्पद है।

Visit us at :

www.kiranprakashan.com

उदाहरण 6. 'रॉकी, तुम्हारी बहन सगाई की अँगूठी के बारे में क्या सोचती है जो मैंने उसे दी थी?'

रॉकी ने उत्तर दिया .....

I. 'वह कहती है कि दूसरी दो ज्यादा महँगी हैं।'

II. 'वह कहती है कि पुलिस इसे जल्द ही ढूँढ लेगी।'

व्याख्या : सुझाए गए दोनों कथन हास्यास्पद हैं। कथन I का अर्थ है कि रॉकी की बहन को तीन आदमियों से सगाई की अँगूठी प्राप्त हुई है– क्या यह हास्यास्पद नहीं है? कथन II का अर्थ है कि रॉकी की बहन ने अँगूठी गुम कर दी है। इसलिए, दोनों कथन हास्यास्पद और पंचलाइन के रूप में उपयुक्त हैं लेकिन उनमें विरोधाभासी/अलग-अलग विचार मौजूद हैं।

उदाहरण 7. चपरासी : 'मेरी पत्नी ने आपसे तनख्वाह बढ़ाने के लिए बोलने को कहा है।'

प्रबंधक ने उत्तर दिया, ...

I. 'क्या उसने तुम्हें ईमानदारी से काम करने के लिए नहीं बोला'।

II. 'मैं अपनी पत्नी से पूछूंगा कि क्या मैं ऐसा कर सकता हूँ।'

व्याख्या : उत्तर I सरल है, उत्तर II बिल्कुल हास्यास्पद है– यह जैसे को तैसे जैसी स्थिति है। चपरासी अपनी तनख्वाह बढ़ाने के लिए अपनी पत्नी का बहाना बनाता है। और नहले पर दहला जमाते हुए प्रबंधक इस प्रश्न को टालने के लिए अपनी पत्नी के बहाने को इस्तेमाल करता है।

उदाहरण 8. एक चालाक निवेशक ने अपनी बचत को विभिन्न कारोबारों में निवेश कर दिया। एक बार वह अपने पुराने मित्र से मिला और उसे बताया, 'चूँकि मैंने अपने सभी अंडे एक टोकरी में नहीं रखे हैं इसलिए मुझे कोई खतरा नहीं है।'

मित्र ने उत्तर दिया, ...

I. 'तुम्हें बता दूँ कि मैं कोई मुर्गी फॉर्म नहीं चला रहा हूँ।'

II. 'आजकल ज्यादा अंडे देने के लिए मजबूत कैरियर उपलब्ध हैं।

व्याख्या : दोनों कथन हास्यास्पद हैं लेकिन विरोधाभासी विचार मौजूद हैं। दोनों उत्तर 'अंडों को अलग-अलग टोकरी में रखना' मुहावरे का सरल, सपाट अर्थ लेते हुए दिए गए हैं।

उदाहरण 9. रम्भा 'मुझे इस बात का अचरज है कि कोई महिला अभी तक हमारे देश की राष्ट्रपति क्यों नहीं बनी?'

अमित, ...

I. 'क्योंकि राष्ट्रपति बनने के लिए व्यक्ति को कम से कम 35 वर्ष का होना पड़ता है।'

II. 'तुम जाकर यह परंपरा क्यों नहीं बदल देती।'

व्याख्या : उत्तर II केवल इस अभिप्राय में हास्यास्पद है कि अमित रम्भा से 'परंपरा बदलने' की आशा कर रहा है। लेकिन यहाँ कोई अप्रत्याशित मोड़ नहीं है और इसलिए, यह पंचलाइन के रूप में उपयुक्त नहीं है। उत्तर I हास्यास्पद है क्योंकि इसका अर्थ है कि महिलाएँ विरले ही अपना सही आयु बताती हैं और आमतौर पर वे स्वीकार नहीं करती हैं कि उनकी आयु 35 से अधिक हो गई है।

उदाहरण 10. एक किरायेदार : 'जब मैंने पिछला घर छोड़ा था तो मकान-मालकिन सचमुच रो पड़ी थी।'

मालिकन, 'हूँ। मैं ऐसा नहीं करूँगी.....

I. 'मैं समर्थ महिला हूँ।'

II. 'मैं किराया हमेशा एडवांस लेती हूँ।'

व्याख्या : कथन I प्रत्याशित उत्तर है। कोई भी अपनी कमजोरी नहीं जताना चाहता। उत्तर II हास्यास्पद है। किरायेदार का अभिप्राय था कि वह इतना अच्छा और शिष्ट व्यक्ति है कि जब वह छोड़ रहा था, उसकी पूववर्ती मकान-मालकिन रोयी थी। लेकिन नई मकान-मालकिन ने उसका गलत अर्थ निकाला और उसने यह अर्थ समझा कि उसने अपने किराए का भुगतान नहीं किया था और इसलिए उसकी पूर्ववर्ती मकान-मालकिन को रोना पड़ा था। यह गलत व्याख्या कथन II को हास्यास्पद बना देती है।